

श्री.

पञ्चमञ्जरिका ।

अर्थात् पांच आख्यायिकाओं का संग्रह ।



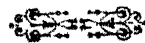
श्रीनिम्बार्कसम्प्रदायाचार्य-

श्रीवृद्धोलेलालगोस्वामि-लिखित,

एवं तदीय-

श्रीसुदर्शनप्रेस, वृन्दावन से

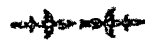
रूपकर प्रकाशित ।



(सर्वाधिकार रक्षित)



सन् १९१७ ईस्वी ।



प्रथमवार १०००] * [मूल्य पांच आने ।